रिकॉर्डः—आने वाले कल की तुम तकदीर हो.... ॐ पिताश्री 23/8/61

ओम् शान्ति। ..... दो को विकर्माजीत बनाना अथवा मन्मनाभव शिवबाबा की याद में रहना, ..... दो के पापों का विनाश ..... कितना सहज है। यह है एक .....। ऐसे बहुत हैं ..... संग में रहने से .... उनकी ..... हैं। कइयों को तो अभ्यास नहीं है। सारा दिन बाबा का ... .. हैं; क्योंकि ज्ञान कम है। ..... ज्ञान की धारणा न होती है, तो विकर्माजीत तो ..... ना! यह भी एक/दो को मदद करनी है। ..... सभी सेवा में प्रति राय देते हैं। कोई कहते हैं हमसे मुरली नहीं चलती है। तो फिर योग भी ठीक नहीं होगा। ऐसे को फिर मदद करनी है। पावरफुल को, नापावरफुल को मदद करनी है। सामने ..... मनमनाभव, शिवबाबा को याद करो। इसमें बहुत ..... है और बहुत सहज है। बहुत कमाई होती है। यह भी भारत की सेवा है। हम सच्चे खुदाई खिदमतगार है ना। किसको विकर्माजीत बनाने की सर्विस भी अच्छी है। योग में भी मार्क्स मिलेगी। यह भी ऊँची सब्जेक्ट है। शिवबाबा को याद कर हम भारत की सेवा करते रहते हैं। हम बेहद की सर्विस पर हैं। सारी दुनिया को पवित्र बनाती हैं। भल मेहनत करते थोड़ी है; लेकिन कल्याण तो सबका होना है ना। पवित्रता की दुनिया स्थापन होती है। हम बाबा के मददगार हैं। खुद पवित्र बन और बनाते हैं। हम पुजारी से पूज्य बनते हैं। हम कोई शास्त्र नहीं सुनते; क्योंकि बाबा ब्रह्मा द्वारा सभी शास्त्रों—वेदों का सार बताते हैं। यह है सच्ची गीता। अच्छा, गंगा स्नान भी हम नहीं करते। इसके बदली में हम फिर ज्ञान स्नान करते हैं। रूहानी परमधामों की यात्रा करते रहते हैं। हम जैसे हैं ही यात्रा पर। हमारी यात्रा सारी दुनिया से विचित्र है। बहुत बच्चियाँ सैर कर आती हैं। तीर्थों पर भी सभी तो नहीं जाते हैं ना। तो बाबा की मत और गत सारी दुनिया से न्यारी है। श्रीमत द्वारा हम एक मत बनते हैं। सब एक को याद करते हैं। शिवबाबा और शिव शक्तियाँ हैं। गाँधी और उनकी सेना थी ना। पाण्डवों की महिमा गाई हुई है। कौरवों पीछे हैं पाण्डव। कौरव ने हराया। पाण्डवों ने राज्य लिया। गीता में भी राज्य योग लिखा हुआ है। पाण्डव थे सब ब्रह्मा के बच्चे। बाबा भी पण्डा गाइड है ना। तो तुम सारी दुनिया को सुख देने निमित्त बनते हो। सारी दुनिया का आधार हुआ पाण्डव सेना पर। जो भारत का श्रृंगार बनती है। याद तो सब करते हैं। विजय माला सिमरते भी हैं और कोई की भी विजयमाला नहीं है। जिन्होंने पतितों को पावन बनाया है उन्हों की माला है। पतित—पावन है ही एक बाबा। उसकी यह माला है। बिल्कुल क्लीयर है। क्रिश्चियन, बौद्धी आदि ..... को पावन बनाने निमित्त नहीं बनते हैं। उन्हों का पार्ट अलग है। क्रिश्चियन लोग क्राइस्ट को ही याद करते हैं। उन्हों की माला नीचे क्रास की निशानी रहती है। बाकी ऐसे नहीं है कि उसने आकर पतित को पावन बनाया है। नहीं, पतित—पावन तो एक ही है। फिर इसका हिसाब भी समझाना चाहिए। तुम कहते हो हेविनली गॉड फादर हेविन स्थापन करते हैं, तो ज़रूर हेल होगा तब तो हेविन स्थापन करेंगे। हेल आयरन एज को कहा जाता है, जहाँ अनेक धर्म हैं। पहले जब डीटी धर्म था तब हेविन था। माला के दाने वो ही बनेंगे और वो ही ..... के मालिक बनेंगे। क्राइस्ट तो हेविन स्थापन कर न सके। गॉड ही हेविन स्थापन करते हैं। वो आते ही अन्त में हैं। खिवैया भी उनको कहा जाता है जो आसुरी संसार से उस पार ले जाते हैं। तुम कोई भी धर्म वाले को समझा सकते हो, खुदा ही आकर बहिश्त स्थापन करते हैं। हम खुदाई खिदमतगार हैं। दोजख है पुरानी दुनिया। बहिश्त है नई दुनिया। न्यू वर्ल्ड हेविन। ओल्ड वर्ल्ड हेल। दुनिया वास्तव में एक ही है। दो नहीं हैं। यह खेल है। रावण राज्य, राम राज्य। इसका अर्थ भी समझना है। अभी सारी दुनिया में रावण राज्य है। राम राज्य स्थापन हो रहा है। पहले तो भीती देनी चाहिए। दुनिया की हिस्ट्री—जॉग्राफी कैसे रिपीट होती है वो हम समझ..... हैं। क्राइस्ट फिर तो ज़रूर आवेंगे ना। बुद्ध की, क्राइस्ट की हिस्ट्री फिर रिपीट ज़रूर होगी। इस(से) सिद्ध होता है ड्रामा है। ड्रामा की तो ..... भी होनी चाहिए। बहुत सहज है किसको समझाना। मुसलमानों की भी ..... हो सकती है। हाँ, निकलेंगे कोटों में कोई। हमारे धर्म वाले ही कोटों में कोऊ निकलते हैं। उनमें

तो बिल्कुल थोड़े कोई निकलेंगे। हिन्दू से कोई ..... बने होंगे तो समझ जावेंगे। ऐसे–2 शेख रिलीजियस प्वाइटेड समझ सकेंगे। योग में रहने से भी उनको फायदा तो मिलेगा ना। अपने धर्म से मर्तबा मिल जावेगा। सर्विस बहुत हो सकती है। तुमको कोई दुश्मन नहीं समझेंगे। सिर्फ नॉलेज देना है यह चक्कर कैसे फिरता है। बोलो, तुम एक्टर हो तो ड्रामा की आदि–मध्य–अन्त का चक्कर कैसे फिरता है सो जानना चाहिए ना। तुमको पता है फिर यह मद कब आवेगा? तुम बता सकते हैं। कभी भी कोई नाराज़ न होगा। सर्विस बहुत है। एक घड़ी, आधी घड़ी सर्विस ज़रूर करनी चाहिए। अपना ....क्रू.... बनाना है फिर कोई भी हो। समझाना है अब दुनिया में अनेक धर्म होने कारण कितना लड़ते–झगड़ते रहते हैं। सतयुग में एक धर्म थोड़े होने कारण लव रहता है। अभी तो बहुत होने कारण मतभेद हो पड़ा है। सतयुग में कितना लव रहता है। फिर त्रेता में 14 कला बनते हैं तो कुछ न कुछ खामी आ जाती है। पूरा स्वर्ग सतयुग और पूरा नर्क कलियुग को कहेंगे। थोड़ी भी दुनिया पुरानी होती है तो इतना मज़ा नहीं रहता है। तो सर्विस की ख्यालात चलनी चाहिए। जो करेगा वो पावेगा। माँ–बाप का फर्ज है हरेक को पुरुषार्थ कराना। ऐसे नहीं छोड़ेंगे, कोई चोरी करता है तो करने दो। नहीं, समझाना ज़रूर पड़ता है। कोई को मित्र–संबंधी भी ठिकाना न देते हैं तो भगवान पास ठिकाना मिलता है। भगवान सब सहन कर लेते हैं। भगवान के साथ आज्ञाकारी, वफादार, फरमानबरदारी बहुत चाहिए। बाबा कहते हैं मैं वर्थ नॉट ए पैनी से वर्थ पाउण्ड बनाय सकता हूँ, अगर धारणा करे तो। अगर धारणा नहीं करते तो शिवबाबा क्या करे। यह शिवबाबा समझाते हैं बच्चे मेरी मत पर चल हीरे मिसल बनो। ब्रह्मा को भल गाली दो। शिवबाबा को न देना। करन करावनहार शिवबाबा है। शिवबाबा कहते हैं बच्चे ऐसा काम न करो जो दिल को खाता हो। पाप का काम करने से पुण्यात्मा कैसे बनेंगे? पाप कर लेते हैं फिर शिवबाबा से माफी लेनी है। वो भी शिवबाबा कहते हैं कि लिखकर दो ब्रह्मा की मार्फत। तो इनको भी मालूम पड़े। इनकी मारफत भेजना है। यह है पोस्ट बॉक्स। बीच का दलाल है ना। कोई फिर समझते हैं हम शिवबाबा को डायरैक्ट सुनाए ..... ले लेते हैं; परन्तु नहीं, बाबा कहते हैं बात का पुलाह नहीं खाओ। इनके सिवा काम न चले। बीच का इंटरप्रेटर जरूर चाहिए। बाप का बच्चा जब बनेगा तब ही तो डाडे का पोता कहला सकेगा। ऐसे शिवबाबा भी माफ करने वाला नहीं है। वो कहते हैं **c/o** ब्रह्मा पूरा समाचार देना है। बच्चों को सच्चा हो चलने की राय दी जाती है। बाप तो कहेंगे गुल बन राज्य–भाग्य ले लेंगे। स्कूल में टीचर समझ.... कि क्या तुम सदैव लास्ट बैठे रहेंगे। कुछ तो आगे बढ़ो। नहीं बढ़ते तो फिर समझा जाता है तकदीर ऐसी है। तकदीर समझ छोड़ भी न देना है। फिर भी पुरुषार्थ कराना फर्ज़ है। टाइम बहुत मिलता है। एक तो है अमृतवेले का टाइम और दूसरा है शाम को। कहते हैं शाम को भी देवताएँ फिरते हैं। अच्छा, कोई नौकरी पर रहते हैं तो रात को भी बहुत टाइम मिल सकता है। घड़ी से एक घड़ी तो ज़रूर मिलती होगी जो सर्विस कर सके। चित्र तो बिल्कुल क्लीयर है। राजयोग और हठयोग का कॉन्ट्रास्ट है। हठयोग अभी तमोप्रधान जड़जड़ीभूत अवस्था में है। यह अब राजयोग स्थापन होता है। इनसे अपन नई दुनिया के मालिक बनते हैं। तुम इन चित्रों पर बैठ समझावेंगे, कोई भी ऐसा नहीं समझेंगे यह कनवर्ट करने आए हैं। चलो, हम आपको खुदा के दर पर पहुँचा सकते हैं। हम उनके बच्चे हैं बैठकर समझो। कभी कोई गुस्सा नहीं करेंगे। करके कोई कर भी दे तो हर्जा नहीं है। आसुरी दुनिया तो है ही। यहाँ भी बहुत आवेंगे, कहेंगे हम डायरैक्ट जाकर देखें कैसे **P.** बात करते हैं। .....समझकर भी आवेंगे। बाबा तो फिर भी निंदा लेते हैं। कितना ऊँच ते ऊँच बाबा मुलाकात कैसे साधारण रीति करते हैं। खुद नीचे बैठेंगे, उनको गद्दी पर बिठा देंगे। फिर बैठ बात करेंगे। सन्यासियों आदि पास तो बहुत अहंकार रहता है। पहले तो कोई इनके चरणों में पड़ गिरे। यहाँ वो बात नहीं।


हमारी बिरादरी बहुत ऊँची है। यह फखुर हमको गुप्त रहता है। हम है ही गुप्त। तुम्हारा नाम बहुत निकलता है; परन्तु धीरे वोट को तूफान भी लगने हैं। ..... कल्प पहले मुआफिक। यह तूफान फिर ऐसे हैं जो 6/12 मास भी चल जाए, फिर उतर जाते हैं। तुमको ..... का तूफान लगता है, ऐसा ..... गिरते हैं जैसे गोलियाँ लगती रहती हैं। बहुत मर जाते हैं। ..... .....। शिव पुरी और सुखधाम को याद करो। माया पर जीत पाने से तुम ..... .....। नॉलेज बहुत सहज है। अवस्था को जमाने में टाइम लगता है। अच्छा। ॐ